पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ०प्र०

(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ऑनलाइन सम्मिलित हुईं

कोरोना महामारी के दौरान नर्सिंग स्टाफ और महिला स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका की सराहना की

महिलाएं पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों मंे अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं

महिलाएं अपनी प्रतिभा और मेहनत के बदौलत पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त कर रही हैं

-राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ : 08 मार्च, 2025

उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने समाज में महिलाओं के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि महिलाएं पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

राज्यपाल जी ने कहा कि महिलाएं न केवल घर-परिवार की जिम्मेदारियां

निभा रही हैं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, प्रशासन और विज्ञान जैसे क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं अपनी प्रतिभा के और मेहनत के बदौलत पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त कर रही हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि समाज में उनकी मेहनत और लगन को पहचान मिल रही है।

उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान नर्सिंग स्टाफ और महिला स्वास्थ्य कर्मियों की भूमिका की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि जब परिवार के सदस्य भी संक्रमित व्यक्ति से दूरी बना रहे थे, तब हमारी नर्स और डॉक्टर पूरी निष्ठा से मरीजों की सेवा कर रही थीं। कई बार वे मरीजों को उनके परिवार से फोन पर बातचीत भी करवाती थीं, जिससे उन्हें मानसिक संबल मिलता था।

उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के योगदान की भी चर्चा की और कहा कि वे न केवल बच्चों की देखभाल करती हैं, बल्कि उनकी शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य का भी ध्यान रखती हैं। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और बच्चों के टीकाकरण को सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महिला सुरक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि आज माहौल बदला है और सरकार महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इस कारण बेटियां निडर होकर शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और हर क्षेत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर रही हैं।

उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हाल ही में अयोध्या में महिलाओं को ई-रिक्शा प्रदान की गई और उन्हें प्रशिक्षण दिया गया, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। महिलाओं ने आत्मविश्वास के साथ ई-रिक्शा चलाने की इच्छा जताई, जो उनके आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्यपाल जी ने पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी को भी महत्वपूर्ण बताया और कहा कि अब महिलाएं ग्राम प्रधान बनकर गांव के विकास में योगदान दे रही हैं। उन्होंने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां सर्वसम्मति से ग्राम प्रधानों का चयन करने पर गांव को अतिरिक्त अनुदान दिया जाता था, जिससे

गांवों का विकास हुआ और आपसी सौहार्द भी बढ़ा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी इसी तरह की पहल की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बैंकिंग सुविधाएं, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि महिलाओं द्वारा उत्पादित जैविक सब्जियों और अन्य वस्तुओं के लिए शहरों में विशेष बाजार स्थापित किए जाएं, ताकि उन्हें उचित मूल्य मिल सके।

राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं की उन्नति के बिना विकसित भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे महिलाओं का सम्मान करें, उन्हें प्रोत्साहित करें और उनकी उन्नति में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अवसर मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता साबित कर सकती हैं।

अंत में, राज्यपाल ने सभी महिलाओं को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि महिलाएं निरंतर आगे बढ़ती रहेंगी तथा समाज व राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य, रेशम मंत्री श्री राकेश सचान, राज्य मंत्री ग्राम्य विकास श्रीमती लक्ष्मी गौतम, प्रमुख सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण श्री बी0एल0 मीणा, विभिन्न क्षेत्रों से आमंत्रित महिलाएं तथा अन्य महानुभाव उपस्थित रहे।

संपर्क सूत्र:
डॉ0 संगीता चौधरी,
सूचना अधिकारी, राजभवन
मो0: 9161668080

सत्यमेव जयते
राजभवन उत्तर प्रदेश

Governor Uttar Pradesh

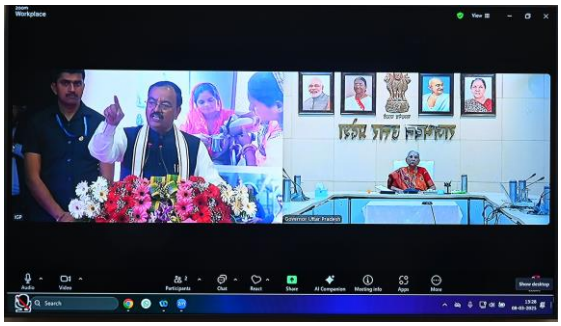
Governor Uttar Pradesh